'A' GRADE BY NAAC & 'A' CATEGORY BY MHRD

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE

(DEEMED TO BE UNIVERSITY)

LADNUN - 341 306 (RAJASTHAN), INDIA

Ph.D. COURSE WORK END EXAMINATION : 2017-2018

PAPER - II : SANSKRIT

Time : 3.00 Hrs **MM : 70**

ROLL NO. : DATE OF EXAM :

(TO BE FILLED BY THE CANDIDATE)

Signature of Invigilator with Date

INSTRUCTIONS FOR THE CANDIDATE

1. **Before answering, the Candidate should write the Roll No. and Date of Examination in the space meant for it.**
   उत्तर लिखने से पूर्व परीक्षार्थी अपना रोल नम्बर तथा परीक्षा तिथि उचित स्थान पर लिखें।
2. **The candidate should not write his/her name or signature on the Question Paper.**
   परीक्षार्थी अपना नाम तथा हस्ताक्षर प्रश्न पत्र में किसी भी स्थान पर नहीं लिखें।
3. **No page should be detached from this Question Paper.**
   कोई भी कागज प्रश्न–पत्र से अलग नहीं किया जाये।
4. **The students have to answer in the space provided for it.**
   परीक्षार्थी उत्तर दिये गये उचित स्थान पर लिखें।
5. **Question Paper should be returned to the Invigilator.**
   प्रश्न–पत्र परिवेक्षक को परीक्षा होने के बाद वापिस लौटा दिया जाये।

FOR EXAMINER ONLY	MARKS OBTAINED									
	Section 'A'	Section 'B'						Section 'C'		TOTAL

Signature of Examiner

खण्ड – अ /SECTION - A

Notes:1. सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्न हल करने हैं / Attempt all objective type questions.

2. प्रत्येक प्रश्न एक अंक का है। / Each question carries 1 mark.

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक अंक नहीं है।

No negative marks for wrong choice in objective type questions.

Q. 1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न/ OBJECTIVE TYPE QUESTIONS

(i) लोकमान्य तिलक के मत में वेदों का रचनाकाल है–

(A) 1200 – 1000 ई.पू.
(B) 600 – 200 ई.पू.
(C) 4000 – 2500 ई.पू.
(D) 2000 – 1400 ई.पू. ( )

(ii) कालक्रम से प्राचीन गद्य काव्य कृति है–

(A) कादम्बरी
(B) वासवदत्ता
(C) दशकुमारचरित
(D) गद्य चिन्तामणि ( )

(iii) पूर्व व उत्तर – इन दो भागों में विभक्त गीतिकाव्य है–

(A) सौन्दरानन्द
(B) हर्षचरित
(C) वेणीसंहार
(D) मेघदूत ( )

(iv) विविध प्राकृत भाषा – उपभाषाओं के प्रयोग वाला नाटक है–

(A) मृच्छकटिका
(B) शाकुन्तल नाटक
(C) मुद्राराक्षस
(D) उत्तर रामचरित ( )

(v) मम्मट का काव्य–लक्षण है–

(A) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्

(B) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्

(C) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि

(D) वक्रोक्तिः काव्यजीवितम् ( )

(vi) 'उपकृतं बहु तत्र किचुच्यते' में विपरीतार्थबोधक शब्द शक्ति है–

(A) अभिधा

(B) व्यञ्जना

(C) जहत्स्वार्था लक्षणा

(D) रूढि लक्षणा ( )

(vii) 'नमस्कुर्मो नृसिंहाय' में चतुर्थी विभक्ति का विधायक सूत्र है–

(A) क्रियार्थोपदस्य कर्मणि स्थानिनः।

(B) नमःस्वस्तिस्वाहास्वधालंवषड्योगाच्च।

(C) मन्यकर्मण्यनादरे विभाषाऽप्राणिषु।

(D) चतुर्थी सम्प्रदाने ( )

(viii) कण्ठेकालः – इसमें समास है –

(A) बहुव्रीहि

(B) तत्पुरूष

(C) अव्ययीभाव

(D) कर्मधारय ( )

(ix) भाषा वैज्ञानिक वर्गीकरण में 'संस्कृत' भाषा है–

(A) अयोगात्मक भाषा

(B) अश्लिष्टयोगात्मक भाषा

(C) श्लिष्टयोगात्मक भाषा

(D) आंशिक प्रश्लिष्ट भाषा ( )

(x) ध्वनिनियम–सम्बन्धी सूत्रों के अन्वेषक विद्वान है–

(A) मैक्समूलर

(B) योकोबी

(C) रिचर्ड पिशेल

(D) याकोब ग्रिम ( )

खण्ड – ब / SECTION - B

लघूत्तरात्मक प्रश्न / SHORT ANSWER TYPE QUESTIONS

Notes: *किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 'पांच' अंकों का है।*
Attampt any Six Questions. Each Question carries 'Five' marks.

प्र. 2. आदिकाव्य के रूप में वाल्मीकि रामायण की महत्ता को रेखांकित करें।

प्र. 3. गीतिकाव्य–परम्परा में महाकवि कालिदास के योगदान पर टिप्पणी लिखें।

प्र. 4. बाणभट्ट के हर्षचरित के ऐतिहासिक महत्त्व को प्रतिपादित करें।

प्र. 5. भारवेरर्थगौरवम् – इस उक्ति की समीक्षा करें।

प्र. 6. शाब्दी व आर्थी व्यञ्जना को सोदाहरण स्पष्ट करें।

प्र. 7. प्रयत्न के आधार पर होने वाले व्यञ्जनों के स्पर्शी, संघर्षी, स्पर्श–संघर्षी भेदों पर प्रकाश डालें।

प्र. 8. भारोपीय भाषा–परिवार के केंटुम व शतम् समूह के अन्तर का आधार क्या है? संस्कृत भाषा किस समूह में परिगणित है? लिखें।

खण्ड – स / SECTION - C

निबन्धात्मक प्रश्न / ESSAY TYPE QUESTIONS /

निर्देश : इस खण्ड में आन्तरिक विकल्प सहित दो प्रश्न हैं। दोनों अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

Notes: This section contains two questions with internal choice. All are compulsory. Each question carries 15 marks.

प्र. 9. व्यञ्जना शब्द शक्ति के स्वरूप को सोदाहरण समझाएं।

अथवा /OR

उपनिषदों के वर्ण्य विषयों व महनीय सन्देशों को रेखांकित करें।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. 10. ग्रासमान नियम को सोदाहरण समझाएं।

अथवा / OR

भवभूति करूण रस के सिद्धहस्त कवि हैं – इस उक्ति पर आपका अपना अभिमत विस्तार से लिखें।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....